SNEH TEACHERS TRAINING COLLEGE, JAIPUR
"Foster Emotional Intelligence in Youth Through Education" (ICFEIYE-2024)
DATE: 15 April 2024
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

"नेतृत्व में बुद्धिमत्ता की भूमिका "

डा॰. पुष्पा देवी, सहायक प्रोफेसर, आकाशदीप महिला, महाविद्यालय, मानसरोवर, जयपुर

आमुख

साधारणतः किसी भी परिवार, निकाय, संगठन या समूह एवं विभिन्न स्तरों पर किसी एक व्यक्ति की प्रमुखता को देखकर ही संभवतः नेतृत्व की अवधारणा को समझा जा सकता है। नेतृत्व कर्ता उस परिवार, निकाय या संस्था के विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति हेतु कार्य करता है, सभी लोगों को उनकी क्षमता के अनुसार कार्य करने के लिए अभिप्रेरित करता है। कभी-कभी वर्ग, संगठन में कार्यशैली, विचारों, क्षमताओं आदि के संबंध में असहमति उत्पन्न होती है जिससे वर्ग विशेष के विकास में बाधाएं उत्पन्न हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में एक ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता होती है जो अपनी बौद्धिक चातुर्यता से सभी को एकमत करने में सक्षम हो सके व संस्थान, निकाय, संगठन पर नियंत्रण करके उसके उद्देश्यों की पूर्ति कर सके। ऐसे व्यक्ति के नेतृत्व में विकास हो सके, उसे संगठन का नेता कह सकें, उसकी बुद्धिमत्ता ज्ञान मानवीय अभिप्रेरणा को पूरा करता हो तथा निकाय के सदस्यों की अभिलाषाओं को पूरी करता हो। वह अपनी अंतःशक्तियों की खोज का करके संस्था के निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति कर सकें।

मुख्यतः विद्यार्थी जीवन में नेतृत्व की भूमिका का संचार किया जाता है। विद्यार्थी जीवन में ही नेतृत्व की कार्यशैली से उनको अवगत कराया जाता है तथा अध्यापक शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों को भावी जीवन में नेतृत्व करने की क्षमता को विकसित करने में सहायता करते हैं। अतः कहा जा सकता है कि नेतृत्व में बुद्धिमता की भूमिका काफी हद तक परिवार, संस्था, निकाय एवं संगठनों के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सहायक होती है। एक अच्छे नेतृत्व कर्ता को अपनी बौद्धिक क्षमता के साथ-साथ अपनी वाणी एवं विचारों के आदान-प्रदान हेतु अपनी भाषा एवं शब्दों का चुनाव करके ही वैचारिक अभिव्यक्ति प्रकट करनी चाहिए तत्पश्चात ही वह एक सफल नेतृत्वकर्ता बुद्धिमान व्यक्ति कहलाता है। वह जिस संस्था एवं निकाय का नेतृत्व करता है उस निकाय व संस्था का विकास लाभकारी होता है। एक नेतृत्व विहीन समाज, परिवार या संस्था का विकास असंभव है नेतृत्व की कला ने ही मनुष्य प्रजाति को विकसित और प्रगतिशील बनाया है। नेतृत्व को समझने के लिए हमें उसके अर्थ से अवगत होना अति आवश्यक है।

- **नेतृत्व का अर्थ :-**

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, वह समाज में अपने आसपास होने वाली सभी गतिविधियों में क्रियाशील होता है। जहाँ पर सभी सदस्य एक साथ एक व्यक्ति से प्रेरित होकर अपने वर्ग विशेष से सरोकार रखते हैं और विकास के क्रम में सहयोग करते हैं उस वर्ग की पहचान का स्रोत वह व्यक्ति ही होता है । वर्ग विशेष के विकास में सभी के सहयोग का अंशदान तो होता ही है। लेकिन नेतृत्व कर्ता की पहचान कैसे की जाए यह प्रश्न बार-बार सभी के मन में एक प्रश्न चिन्ह अंकित करता है कि नेतृत्व कर्ता के अंदर कुछ अलग विशेषताएं होती उनकी पहचान कैसे हो? जो प्रभावशाली नेतृत्व के लिए आवश्यक है। मुख्यतः नेतृत्व कर्ता की विशेषताएं हैं।

- समायोजन की क्षमता (मिलनसार होना)
- कुशाग्र व्यक्ति (बुद्धिमत्ता)
- निर्णय लेने की क्षमता और
- आत्मविश्वास एवं सृजनात्मक शक्ति से पूर्ण ।

एक अच्छे नेतृत्व कर्ता में सभी गुणों का होना आवश्यक है। जिससे वह अपने समाज एवं समूह की सभी क्रियाओं का प्रबंधन करने में सक्षम हो सके। नेतृत्व पूर्ण सामाजिक प्रबंधन के लिए नेतृत्व कर्ता को पर्याप्त बौद्धिक रूप से संपन्न होना चाहिए। नेतृत्व में भावनात्मक बौद्धिकता की भूमिका महत्वपूर्ण है । भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अर्थ है अपनी और दूसरों की भावनाओं को समझना और उनका प्रबंधन करना। एक नेता जो भावनात्मक रूप से मजबूत हो वह बुद्धिमानी से पारस्परिक संबंधों को

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

समझदारी और सहानुभूति से निभाने में सफल होते हैं सामाजिक कल्याण के कार्यों में निरंतर कार्यरत होकर विकास को आगे ले जाने में सहायक होता है ।

मनोवैज्ञानिकों ने नेतृत्व में बुद्धिमत्ता को परिभाषित करते हुए कहा है कि बुद्धिमत्ता को समझना समस्या समाधान के लिए विचारों और तर्क करने की क्षमता है, **डेनियल गोलमैन** ने भावनात्मक बुद्धिमत्ता को भावनाओं के बारे में जागरूक होने, नियंत्रित करने और व्यक्त करने की हमारी क्षमता के रूप में परिभाषित किया है जिसमें बुद्धि का सबसे महत्वपूर्ण सहयोग होता है। जिसे व्यक्ति की बुद्धिमत्ता कहा जाता है।

बुद्धिमता :-

किसी प्रणाली की गणना करने, करण को जानने, संबंध को समझने और विश्लेषण की योग्यता है। जिसे वह प्रणाली अनुभव से सीखती है, अपनी स्मृति में संग्रहित करती है, और जरूरत पडने पर पुनः प्राप्त करती है, समस्या का समाधान करती है, जटिल विचारों को समझती है, प्राकृतिक भाषा का धारा प्रवाह करती है, और नई स्थितियों को वर्गीकृत करते हुए उसके अनुकूल तैयार होती है। दैनिक बोलचाल की भाषा में बुद्धि का सही समय पर सही प्रयोग ही बुद्धिमता कहलाती है। हावर्ड गार्डनर ने बुद्धिमत्ता को विभिन्न प्रकारों में विभाजित किया है :-

- भाषा संबंधी बुद्धिमत्ता:- व्यक्ति बोलने समझने और स्वर विज्ञान तथा वाक्य रचना आदि के लिए इस्तेमाल करता है, जिससे वह अपनी भाषण देने वाली क्षमता को बढ़ा सके।
- संगीत संबंधी बुद्धिमत्ता :- ध्वनि का सृजन उसे संवाद और उसके अर्थ को समझना तथा ताल और लय के अंतर को समझने के लिए संगीत संबंधी ज्ञान अर्जित करता है।
- तार्किक गणितीय बुद्धिमत्ता:- जटिल और अमूर्त विचारों को समझने के लिए वह तार्किक बुद्धि का इस्तेमाल करता है।
- शारीरिक बुद्धिमत्ता:- शरीर के सभी अंगों का कुछ ना कुछ प्रयोग कर समस्या का समाधान करना व शारीरिक बुद्धिमता का प्रदर्शन करके नियंत्रण करना सीखना है और लक्ष्य में बदलाव लाने की योग्यता अर्जित करता है।
- अंतर व्यक्तिक बुद्धिमत्ता:- खुद की भावनाओं और इरादों के बीच भेद करने की योग्यता को अर्जित करने के लिए अंतर व्यक्तिक बुद्धिमता का प्रयोग करता है।
- तथा पारस्परिक बुद्धिमत्ता इस प्रकार की बुद्धिमत्ता में वह लोगों की भावनाओं विश्वास और इरादों को समझना और उनके बीच भेद करने की योग्यता रखता है जिससे वह समाज तथा उसके ऊपर सोंपी हुई जिम्मेदारी का नेतृत्व भली भांति कर सके एवं सफल नेतृत्व का उदाहरण बनकर अपनी बौद्धिक क्षमताओं को सभी के समक्ष ला सके।
- **नेतृत्व के लिए बुद्धिमता का महत्व :-**

  बुद्धिमता अक्सर व्यक्ति को यह समझने में मदद करती है कि उद्देश्यों की पूर्ति हेतु रणनीतियां कैसे काम करेगी और अपनी योजनाओं को संगठन में कैसे समायोजित करें जो कि किसी भी संगठन को चलाने के लिए महत्वपूर्ण है । आज के समय में जब भारत में हम विकासशील भारत को विकसित होने की ओर कदम रखने की बात करते हैं। तब हम देख सकते हैं कि प्रभावी नेतृत्व वाली सरकार की अपनी रणनीतियों के कारण ही सभी योजनाएं सफल हो रही हैं एवं सरकार की बुद्धिमत्ता के कारण ही आज देश विकास की ओर अग्रसर है। प्रभावी नेतृत्व केवल तकनीकी कौशल विशेषज्ञता बुद्धिमत्ता से ही नहीं बल्कि वह अपनी भावनात्मकता से दूसरों की भावनाओं को पहचान करके समझ कर ही सभी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर कार्य किया जा सकता है। **पीटर सलोवी और जॉन मेयर** के द्वारा प्रभावी नेतृत्व के लिए कुछ आवश्यक गुण बताए गए हैं यथा

- आत्म जागरूकता
- स्व - नियमन
- सामाजिक जागरूकता
- संबंध प्रबंधन

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

अतः व्यक्ति अपनी भावनाओं को व्यक्त करते समय अपनी बुद्धि का प्रयोग करता है। हम उसके संवाद से जान सकते हैं कि वह अपने विचारों को किस क्षेत्र में प्रकट कर सकता है। व्यक्तिगत स्तर पर बुद्धिमत्ता, नेतृत्व कर्ता के संगठन की क्षमताओं और कौशल को संपन्न करने में अभिन्न भूमिका का निर्वहन करती है। अत्यधिक बुद्धिमान व्यक्ति अपने दल को एक साथ लेकर चलता है। जिसके लिए वह विभिन्न प्रकार की योजनाएं बनाता है।

- **नेतृत्व की शैली :-**

एक उन्मुक्त तथा अहस्तक्षेपी व्यक्ति ही नेतृत्व कर्ता हो सकता है वह निर्णय करने से पहले समूह के सभी सदस्यों से प्रस्तावित कार्यों पर परामर्श करता है। प्रबंधन प्रक्रिया में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करता है। कभी-कभी वह अपनी उन्मुक्त शक्ति का प्रयोग करता है एवं अपने अधीनस्थ अधिकारियों को कार्य करने के लिए स्वतंत्रता व उच्च दर्जा प्रदान करता है। अपने नेतृत्व में उन सदस्यों की सलाह के बाद ही निर्णय लेता है जो भविष्य में सकारात्मक एवं सर्वहित के लिए होते हैं। बुद्धिमता का नेतृत्व प्रदर्शन में काफी प्रयोग किया जाता है। नेतृत्व कर्ता को निर्णय लेने में कभी-कभी लोगों के विरोध का सामना करना पड़ता है क्योंकि सभी की इच्छाएं अलग-अलग होती हैं और व्यक्ति उन सभी पर खरा उतरने के लिए एक मजबूत निर्णय अपनी बुद्धि का उपयोग करके लेता है।

- **बुद्धिमत्ता का उपयोग**

व्यक्ति जब किसी संस्था या निकाय का नेतृत्व करता है तब वह आत्मविश्वास से परिपूर्ण होता है। समाज में किसी संस्था या निकाय के द्वारा नेतृत्व हेतु ऐसे व्यक्ति का चुनाव किया जाता है जो प्रबंधन के साथ-साथ अपने ज्ञान से समाज की भलाई में कार्य कर सके तथा सही निर्णय लेकर समाज का कल्याण करे तथा निम्न बातों पर खरा उतर सके।

नेतृत्व में बुद्धिमत्ता के चार प्रकार हैं-

- नेतृत्वकर्ता को पूर्ण रूप से ज्ञानवान होना चाहिए।
- चरित्रवान होना चाहिए।
- सामाजिक गतिविधियों की जानकारी एवं उनमें रुचि लेने वाला होना चाहिए।
- नेतृत्व कर्ता को नियम के अनुरूप आध्यात्मिक होना चाहिए।

इस प्रकार से नेतृत्व में बुद्धिमत्ता अपनी भूमिका का निर्वहन करती है क्योंकि किसी भी पद पर नेतृत्व करने वाला व्यक्ति उस समय में अपने हित से पहले वहां पर कार्यरत अन्य कर्मचारियों एवं जनता के हित में सोचता है इसीलिए नेतृत्वकर्ता को अपने बौद्धिक विचारों को समझना व वैचारिक शक्ति का इस्तेमाल करने में सक्षम होना चाहिए।

बुद्धिमत्ता नेतृत्व के लिए महत्वपूर्ण है। नेतृत्वकर्ता अपने शासन में कई प्रकार से नेतृत्व कर सकता है जैसे- निरंकुश, नौकरशाही, लेनदेन संबंधी, लोकतांत्रिक, अहस्तक्षेप, करिश्माई, परिवर्तनकारी और सेवक आदि। लेकिन नेतृत्व के लिए व्यक्ति को केवल भावनात्मक रूप से नहीं बल्कि सामाजिक रूप से भी प्रभावशाली होना चाहिए। तभी वह सफल नेतृत्व कर्ता का दर्जा हासिल करने में सक्षम होता है । जिसके लिए उच्च कोटि की बुद्धिमत्ता का होना आवश्यक है।

सफल बुद्धिमत्ता

1. संस्था या निकाय के सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ को ध्यान रखते हुए जीवन में अपने लक्ष्य को तैयार करना, उनके लिए प्रयास करना और जहां तक संभव हो प्राप्त करने की क्षमता रखना
2. शक्तियों को बढ़ाने और कमियों को सुधारने या उनकी क्षतिपूर्ति हेतु प्रयास करने की क्षमता
3. उद्देश्यों को सफल बनाने हेतु क्रम में विश्लेषणात्मक, रचनात्मक और व्यवहारात्मक क्षमताओं के संयोजन एवं माध्यम से रचनाओं को वातावरण के अनुकूल बनाना, आकार देना और चयन करना।
4. जो व्यक्ति सफल होते हैं वे अपने जीवन में लाभकारी अवसरों की तलाश करते हैं। जो उन प्राप्त अवसरों का अनुकूलन करते हुए अपनी बुद्धिमत्ता के प्रयोग से सफलता प्राप्त करके अपने नेतृत्व को बनाए रखते हैं।

श्रेष्ठ नेतृत्व प्रबंध करने वाला व्यक्ति कोई भी निर्णय सोच समझ कर ही करता है एवं वह अपनी संस्था एवं निकाय के सभी सदस्यों से समस्याओं को सुनकर उनका समाधान करता है वह व्यक्तिगत रूप से लोगों की अच्छाई से प्रेरित होकर कार्य करता

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

है एक श्रेष्ठ नेतृत्व कर्ता वही होता है जो नेतृत्व करते समय अनुशासन का पालन करे।

निष्कर्ष

उपरोक्त विषय में हमने नेतृत्व में बुद्धि की भूमिका पर विचार प्रस्तुत किए हैं। जिसमें हमने एक श्रेष्ठ नेतृत्वकर्ता के गुण व उसके अंदर पाए जाने वाली मनोवैज्ञानिक, सामाजिक एवं भावनात्मकता विशेषताओं को जाना। हमने नेतृत्व कर्ता की परिभाषा उस व्यक्ति के रूप में की जो अपने परिवार, समाज, संस्था एवं निकाय आदि का नेतृत्व करके उसके विकास के उद्देश्यों की पूर्ति करता है। एक श्रेष्ठ व्यक्ति अपनी बुद्धिमत्ता से व प्रतिभा से समाज में अपना स्थान बनाता है। तथा अपनी भूमिका का निर्वहन एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के साथ करता है। वह अपने नेतृत्व की भूमिका में वैचारिक शक्ति का प्रयोग करते हुए सभी साथियों से मिलकर एवं उनकी सलाह के बाद ही किसी भी निर्णय तक पहुंचता है। हमने जाना की एक श्रेष्ठ नेतृत्व कर्ता ही एक परिवार, समाज संस्था व निकाय को विकास की ओर ले जाने में सफलता प्राप्त करता हैं तथा उनमें उन्मुक्त संस्कारों का संचार किया जा सकता है जो की किसी भी राष्ट्र के हित में सर्वोपरि होते हैं।

संदर्भ सूची

1. **"एजुकेशन साइकोलॉजी",**
डॉ रामशकल पांडे:, निवर्तमान आचार्य एवं अध्यक्ष, शिक्षा शास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद आर. लाल बुक डिपो निकट गवर्नमेंट इंटर कॉलेज मेरठ - 2500001.
2. https://unacademy.com/content/upsc/study-material/public-administration/theories-of-leadership/
3. https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%A8%E0%A5%87%E0%A4%A4%E0%A5%83%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%B5_%E0%A4%95%E0%A5%87_%E0%A4%B8%E0%A4%BF%E0%A4%A6%E0%A5%8D%E0%A4%A7%E0%A4%BE%E0%A4%82%E0%A4%A
4. https://www.ccl.org/articles/leading-effectively-articles/emotional-intelligence-and-leadership-effectiveness/
5. https://www.google.com/url?sa=t&source=web&rct=j&opi=89978449&url=https://translate.google.com/translate%3Fu%3Dhttps://okrquickstart.com/post/3-types-of-intelligence-that-any-leader-should-have%26hl%3Dhi%26sl%3Den%26tl%3Dhi%26client%3Dsge%26prev%3Dsearch&ved=2ahUKEwiJ-7W9-pSFAxVSjGMGHfHwDSEQudELegQIBxAP&usg=AOvVaw0EfsmY4VpbXaqVS6rnVE4m
6. ResearchGate https://www.researchgate.net › ...PDF16 - बुद्धि